मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 12 अप्रैल 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	13/04/19	14/04/19	15/04/19	16/04/19	17/04/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	2	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	40	40	40	40	39
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	24	23	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	1	2	4	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	74	71	72	73	70
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	24	21	23	21	23
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	8	7	8	9
हवा की दिशा	उत्तर–उत्तर–पश्चिम	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
टिण्डा, तुरई, ककडी, करेला	फलन	टिण्डा, तुरई, ककडी, करेला फल मक्खी के प्रकोप से प्रभावित हो सकती है। इसके नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
जायद भिण्डी		जायद भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक वायरस रोग की सम्भावना है। इस रोग के प्रकोप से पत्तियां एंव फल पीले पड जाते है। इस रोग का संचार सफेद मक्खी नामक कीट से होत है। इसके नियंत्रण हेतु फूल आने से पहले लिए इमिडाक्लोप्रिड या एसीटामीप्रिड 3–5 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करे।
बैंगन		बैंगन की फसल में तना व फल छेदक का प्राकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु साइपरमेथ्रिन 5 मि.ली. लीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर की फसल में उकटा रोग के कारण पौधें की पत्तियां पीली होकर सूखने लगती है एंव कुछ समय पश्चात पौधा भी सूख जाता है। रोग के नियंत्रण हेतु 7.5 ग्राम थायोफनेट मिथाइल +7.5 ग्राम रीडोमिल प्रति 15 लीटर पानी के साथ मिला कर छिडकाव करें।

(नौडल ऑफीसर)